

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य सामान्य	अधिगम उद्देश्य विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: चारित्रिक गुण-अवगुण का बोध पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्टसंख्या-13अ/१ विषय वस्तु- एक तिनका (कविता), शुद्ध-अशुद्ध उपविषय वस्तु :- अ)साहित्यिक परिचय आ)नैतिकता इ) चरित्र बोध पाठ्येतर विषय वस्तु *कलात्मकता *तुलनात्मक अध्ययन * चरित्र प्रस्तुति	विद्यार्थी :- अ) कवि के साहित्यिक योगदान से परिचित हो सकेंगे। आ)प्रकृति द्वारा दी जाने वाली नैतिक शिक्षा के प्रति सचेत हो सकेंगे । इ) ऐंठ- और समझ के बीच अंतर कर पाएंगे।	विद्यार्थी :- अ)अयोध्या सिंह उपाध्याय “हरिऔध”के साहित्यिक योगदान को जान सकेंगे । आ)प्रकृति द्वारा दिये गए संदेशों पर चर्चा कर सकेंगे । इ) चरित्र प्रस्तुति द्वारा विद्यार्थियों में दुर्भावना का त्याग कर संवेदना ,सहयोग और प्रेम विकसित हो सकेगा।

गृहकार्य:- पाठ से संबन्धित प्रश्न

क्रियाविधि:- चरित्र प्रस्तुति से संबन्धित

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थी गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्टसंख्या :-13अ/१ काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या :-13अ/२ *अध्यापिका के निर्देशन में उचित यति गति लय के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए कविता पाठ करेंगे । *अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा निर्धारित अंश के व्याख्या का प्रयास करेंगे । *अध्यापिका के निर्देशन में कविता के भाव को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे। *क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्टसंख्या :-13अ /३ *अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्टसंख्या :-13अ /४	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे:- परिशिष्टसंख्या :-13आ/१ काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्टसंख्या :-13आ/२ विद्यार्थी उचित यति गति लय के साथ कविता के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । विद्यार्थी निर्धारित अंशों की व्याख्या करेंगे । विद्यार्थी पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देंगे। अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे। परिशिष्टसंख्या :-13आ/३ अभ्यास हेतु दिये गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे। परिशिष्टसंख्या :-13आ/४	*पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामाग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण

विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि

अन्तःविषय संबंध :- प्रकृति ज्ञान, कर्तव्य बोध, पर्यावरण बोध , सामाजिक ज्ञान ।

विद्यालय भवन :- विद्यालय के पुस्तकालय में जाकर नैतिक शिक्षा से सम्बंधित पुस्तकों का अध्ययन करेंगे ।

विभागाध्यक्ष

समन्वयक

उप-प्रधानाचार्य

प्रधानाचार्य

कक्षा -सात

परिशिष्टसंख्या:-13

1.पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्टसंख्या -13अ/1

संभावित उत्तर

प्र.1 अपने प्रिय मित्र का नाम बताइए ।

विविध उत्तर .।

प्र.2- अपने मित्र के गुणों का वर्णन कीजिए ।

सहयोगी,खुशदिल.....।

प्र.3- अवगुणों का जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

समस्यात्मक प्रश्न ।

कथन:- आइए “एक तिनका “ पाठ के माध्यम से घमंडी के परिणाम को जानते हैं ।

2.काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या -13अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक ए- 4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदलाबदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देंगी

3.क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्टसंख्या -13अ/3

* अध्यापिका कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी को नैतिक मूल्य का महत्व एवं अहंकार के दुष्परिणाम को बताते हुए किसी एक व्यक्तित्व के विषय में लिखने को कहेंगी जिसने घमंड छोड़ नीति का मार्ग अपनाया ।

*विद्यार्थी ने उस व्यक्ति से जो प्रेरणा ग्रहण की उस अनुभव को कक्षा में साझा करने को कहेंगी।

* अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी ।

*अध्यापिका अंत में निर्धारित प्रारूप के आधार पर वाचन और लेखन का मूल्यांकन करेंगी ।

मूल्यांकन के मानदंड :

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक - १०
१	विषय की प्रस्तुति	३
२	प्रभावोत्पादकता	३
३	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	२
४	कार्य की पूर्णता	१
५	समयबद्धता	१

कार्यपत्र

पाठ : एक तिनका

गतिविधि : चरित्र प्रस्तुति

विद्यार्थी का नाम:

अनुक्रमांक:

प्रश्न 1. अपना कोई ऐसा अनुभव लिखिए जब आप घमंड के कारण बड़ी मुश्किल में पड़े हों ।

प्रश्न 2. गतिविधि के बाद सोच में परिवर्तन :-

